भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
**लोक सभा**
लिखित प्रश्न सं. †2377
सोमवार, 15 दिसंबर, 2025/24 अग्रहायण, 1947 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

## विदेशी पर्यटकों की संख्या में गिरावट

**†2377. श्री जिया उर रहमानः**

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने विगत तिमाही के दौरान विदेशी पर्यटकों की संख्या में आई गिरावट का संज्ञान लिया है;

(ख) यदि हां, तो इस गिरावट के लिए जिम्मेदार कारकों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) भारत को एक सुरक्षित, किफायती और आकर्षक वैश्विक पर्यटन स्थल के रूप में बढ़ावा देने के लिए उठाए गए/उठाए जा रहे कदमों का ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

**पर्यटन मंत्री** **(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)**

(क) और (ख): इस वर्ष की पहली तीन तिमाही के दौरान विदेशी पर्यटकों का आगमन (एफटीए) निम्नानुसार है:

| **तिमाही** | **विदेशी पर्यटकों का आगमन 2025 (लाख में)** |
|---|---|
| पहली तिमाही (जनवरी से मार्च) | 26.15 |
| दूसरी तिमाही (अप्रैल से जून) | 16.48 |
| तीसरी तिमाही (जुलाई से सितंबर) | 19.20 |
| **कुल** | **61.83** |

स्रोत: आप्रवासन ब्यूरो

विदेशी पर्यटकों के आगमन में गिरावट मुख्य रूप से बांग्लादेश से आगमन में कमी और यात्रा पैटर्न में मौसमी भिन्नताओं, वर्तमान में जारी भू-राजनीतिक परिदृश्य और बहिर्गामी यात्रा को प्रभावित करने वाले अन्य देश-विशिष्ट घटकों सहित कई अन्य कारकों के कारण हुई है।

(ग): पर्यटन मंत्रालय ने भारत को एक सुरक्षित, कम ख़र्चीले और आकर्षक वैश्विक पर्यटन गंतव्य के रूप में बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं:

पर्यटन मंत्रालय 'स्वदेश दर्शन', 'राष्ट्रीय तीर्थस्थल कायाकल्प एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन संबंधी मिशन (प्रशाद)' और 'पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सहायता' नामक योजनाओं के तहत देश के विभिन्न पर्यटन स्थलों पर पर्यटन संबंधी अवसंरचना और सुविधाओं के विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों/केंद्रीय एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

इसके अलावा, पर्यटन मंत्रालय "आतिथ्य सहित घरेलू संवर्धन एवं प्रचार" (डीपीपीएच) और "विदेशी संवर्धन एवं प्रचार (ओपीपी)" नामक अपनी योजनाओं के तहत विभिन्न पहलों के माध्यम से भारत का समग्र रूप से संवर्धन करता है। वर्तमान में जारी अपनी गतिविधियों के हिस्से के रूप में; यह भारत के विभिन्न पर्यटन स्थलों और उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए नियमित रूप से अंतरराष्ट्रीय बाजारों में प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, ऑनलाइन और आउटडोर मीडिया अभियान जारी करता है। पर्यटन मंत्रालय अपनी वेबसाइट और सोशल मीडिया प्रचार के माध्यम से भी विभिन्न पर्यटन गंतव्यों और उत्पादों का नियमित रूप से संवर्धन करता है।

अतुल्य भारत सामग्री हब लॉन्च किया गया, जो एक व्यापक डिजिटल भंडार है, जिसमें भारत में पर्यटन से संबंधित उच्च गुणवत्ता वाली छवियों, फिल्मों, ब्रोशर और समाचार पत्रों का एक समृद्ध संग्रह है।

देश के असेवित और अल्प सेवित अड्डों से क्षेत्रीय हवाई संपर्क बढ़ाने और आम जनता के लिए हवाई यात्रा को किफायती बनाने के लिए, पर्यटन मंत्रालय ने अपनी आरसीएस-उड़ान योजना के तहत नागर विमानन मंत्रालय के साथ सहयोग किया है। अबतक कुल 53 पर्यटन मार्ग संचालित किए गए हैं।

यद्यपि पर्यटकों की सुरक्षा और संरक्षा मुख्य रूप से राज्य का विषय है, लेकिन पर्यटन मंत्रालय समर्पित पर्यटन पुलिस की स्थापना हेतु सभी राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के साथ लगातार इस मुद्दे को उठाता रहा है। पर्यटन मंत्रालय के प्रयासों से तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, दिल्ली, गोवा, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, मध्य प्रदेश, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान, सिक्किम और उत्तर प्रदेश की राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों ने किसी न किसी रूप में पर्यटक पुलिस की तैनाती की है।

*****